

MRTHYTH EXTRAORDINARY

भाग 11—संजय 3—उन-भाग्य (ii) ें PART II—Section 3—Sub-section (#)

्राधिकार से प्रकाशित FUCLISHED BY AUTHORITY

सं 40] नई दिल्ली, रविवार, फरवरी 1, 1987/माँच 12, 1908 No. 40] NEW DELHI, SUNDAY, FEB. 1, 1987/MAGHA 12, 1908.

इस आग में भिन्द पृथ्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कुषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग) नई विल्ली, 1 फरवरी, 1987

मावेश

का. आ. 46(भ):—केन्द्रीय सरकार, भावक्यक वस्तु भक्षिणियम 1955 (1955 का 10) की धारा 5 द्वारा प्रदक्ष भवितयों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उपन अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के बंध (अ) तथा (च) के अभीन, उपमे उपावक प्रमुक्ति के विनिधिक्य किन्नों के निसी

पशुचारे की बाबत आदेश करने की शक्ति का प्रयोग उस राज्य में राजस्थान राज्य की सरकार द्वारा भी किया आवगा।

2. यह आदेश भारत के राज्यल में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होकर 30 जून, 1987 को समाप्त होने वाली भवधि के लिए प्रवृत्त रहेगा।

मनुसूची

पशुकारे की किस्में

- 1. सूजी वास तथा घास
- 2. ग्वार इसके समस्त ब्युतपदन सहित परन्तु ग्वार गम (जो चारा नहीं है) के सिवाय
- 3. जवार, मक्का तथा वाजरे की करब या करवी
- 4. मोठ चारा तथा मोठ पूरी
- 5. चावल की भूसी
- 6. खाखवा
- 7. चने की चूरी
- 8. गेहूँ चाण्ड

[सं. 32-2/85-एलं. की.-2] की. की. महाजन, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

New Delhi, the 1st February, 1987

ORDER

S.O. 46(E).—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Covernment hereby directs that the powers to make orders under clauses (d) and (f) of sub-section (2) of section 3 of the said Act shall, in relation to the cattle fodder of any of the varieties specified in the Schedule hereto annexed, be exercisable also by Government of the State of Rajasthan in that State.

2. This order shall remain in force for the period commencing from the date of its publication in the Gazette of India and ending with the 30th June, 1987.

THE SCHEDULE

Varieties of Cattle Fodder

- 1. Hay and grass
- Gowar including all its derivatives but excluding Gowar which is not fodder.
- 3. Karab or karabi of Jowar, Maize and Bajra.
- 4. Moth-chara and Moth-churi.
- 5. Rice Husk.
- 6. Khakhala.
- 7. Gram churi,
- 8. Wheat chappad.

[No. 32-2|85-LD.II]

B. B. MAHAJAN, Addl. Secy.